इन्टर मीडिएट परीक्षा १९७५

माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद

महाराजा अग्रसेन इन्टर कालेज, मुरादाबाद

संख्या ६१ दिनांक ८-६-६५

संस्थागत/अनुमत परीक्षार्थी आलोक कुमार भटनागर अनुक्रमांक ९९१८२१

द्वारा परिषद का इन्टरमीडिएट की परीक्षा, १९७५ में प्राप्तांकों का विवरण

वर्ग 'ब' के छात्र

परीक्षार्थी द्वारा लिए गये विषय	विषय के निर्धारित पूर्णांक	प्रथम प्रश्न पत्र	द्वितीय प्रश्न पत्र	तृतीय प्रश्न पत्र	अनुयोग	क्रियात्मक	वाणिज्य प्रथम: आशुलिपि हिन्दी अंग्रेजी	वाणिज्य प्रथम: टंकण सिद्धान्त	वाणिज्य प्रथम: टंकण क्रियात्मक	वाणिज्य द्वितीय: आशुलिपि हिन्दी अं०	वाणिज्य द्वितीय: टंकण हिन्दी/अंग्रेजी	विषय योग
५-	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११-१२-१३-१४-१५-१६-१७-१८		१९
१ हिन्दी साहि.	१००	१४	०८	११								३३
२- भौ०वि०	१००	१६	१५		३१	२१						५२
३- रसा०वि०	१००	२४	२४		४८	१९						६८
४ गणित	१००	१६	२६	१४								५६
५ अंग्रेजी	१००	०८	१५	१५								३८
६-												

सम्पूर्ण प्राप्तांक शब्दों तथा अंकों में— दो सौ सैंतालीस २४७

परीक्षा फल (प्रथम, द्वितीय, तृतीय श्रेणी या अनुत्तीर्ण)	कृपांक	विशेष योग्यता	यदि सम्मान सहित उत्तीर्ण है तो यह उल्लेख कीजिये	क्या पूरक परीक्षा का अधिकारी है ? यदि हां, तो विषय	क्या निःशुल्क अनुसंधान का अधिकारी है ?
द्वितीय	×	×	×	×	×

नोट:—प्राप्तांक के आधार पर परीक्षाफल का निर्णय ठीक हुआ है अथवा नहीं, इसका जांच परीक्षार्थी नीचे दिये नियमों के आधार पर स्वयं भी कर लें और यदि कोई त्रुटि हो तो प्रधानाचार्य/केन्द्र व्यवस्थापक से तुरन्त सम्पर्क स्थापित करके उसका निराकरण करालें, अन्यथा भूल सुधार में विलम्ब हो सकती है, जो परीक्षार्थी के लिए अहितकर होगा। परिषद् कार्यालय में जांच के फलस्वरूप यदि कोई त्रुटि पायी जायेगी तो उसकी सूचना तुरन्त ही प्रधानाचार्य/केन्द्र-व्यवस्थापक को दी जायेगी और वे सम्बन्धित परीक्षार्थी को इसकी सूचना देंगे।

—: परीक्षाफल सम्बन्धी नियम :—

(१) प्रत्येक विषय के न्यूनतम उत्तीर्णांक ३३ प्रतिशत है। जिन विषयों में क्रियात्मक परीक्षा होती है उनमें लिखित तथा क्रियात्मक परीक्षा के लिए अलग-२ न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित है।

(२) उत्तीर्ण होने के लिये निर्धारित न्यूनतम अंक से कम अंक नहीं होने चाहिये। निर्धारित न्यूनतम उत्तीर्णांक से कम होने पर प्राप्तांक वृत के भीतर किये जाते हैं।

(३) किसी विषय में ७५ प्रतिशत अंक पाने पर विशेष योग्यता मिलती है; सम्पूर्ण योग का ७५ प्रतिशत प्राप्तांक होने पर सम्मान सहित उत्तीर्ण घोषित होता है।

(४) प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण होने के लिए प्राप्तांक योग सम्पूर्ण निर्धारित अंकों का क्रमशः ६०, ४५ एवं ३३ होना चाहिये।

(५) यदि कोई परीक्षार्थी सम्पूर्ण परीक्षा में सम्मिलित हुआ है तथा वह केवल एक विषय में अनुत्तीर्ण है तो वह उस विषय में पूरक परीक्षा का अधिकारी होगा।

पूरक परीक्षा के योग्य घोषित होने वाले सभी परीक्षार्थी स्वतः परीनिरीक्षण के अधिकारी नहीं होंगे। केवल वे परीक्षार्थी जो केवल एक विषय में २८ प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने पर अनुत्तीर्ण घोषित किए गये हैं वे पूरक परीक्षा के अधिकारी घोषित होने के साथ ही साथ स्वतः परीनिरीक्षण के अधिकारी होंगे। इनकी उत्तर पुस्तकों का अंकानुसंधान निःशुल्क होगा।

(६) केवल एक विषय में अधिक से अधिक ५ प्रतिशत अंक से अनुत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थियों को उत्तर-पुस्तिकाओं का अंकानुसंधान निःशुल्क किया जायेगा।

बनाने वाले के हस्ताक्षर

जांचकर्ता के हस्ताक्षर

प्रधानाचार्य
महाराजा अग्रसेन इंटर कालिज
मुरादाबाद